2019

HINDI

(Major)

Paper : 6.5

(Pradeshik Sahitya : Asamiya)

Full Marks : 60

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×7=7

(क) 'संधियार सुर' नामक काव्य-कृति की रचना किसने की है?

(ख) "कालै सेइटो डाङर कथा नहय, चिठित सँचा कथा लिखिब लागिबतो।" यह किसका कथन है?

(ग) असमीया भाषा का उद्‌भव किस अपभ्रंश से हुआ है?

(घ) श्रीमन्त शंकरदेव का देहावसान किस ई० को हुआ था?

(ङ) कवि चन्द्रकुमार आगरवाला के पिताजी कौन थे?

(च) 'जोनाकी' नामक पत्रिका का प्रकाशन किस स्थान से हुआ था?

(छ) 'बनफूल' के कवि के रूप में कौन प्रसिद्ध हैं?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2×4=8

(क) ''आलो मञि कि कहबो दुख।
परराण निगरे ना देखिया चान्दमुख॥''

—का तात्पर्य बताइए।

(ख) शंकरी युग के किन्हीं दो प्रमुख कवियों (शंकरदेव और माधवदेव से भिन्न) के नाम लिखिए।

(ग) 'अरुणोदय' नामक पत्रिका का प्रकाशन किनके द्वारा और कब शुरू हुआ था?

(घ) ''गा बीण गा,
अमृत संगीत
शुकाने मेलक कुँहि।''

—का आशय क्या है?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए : 5×3=15

(क) श्री श्री माधवदेव की साहित्यिक देन का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'असमीया भाषा उन्नति साधिनी सभा' क्या है? इसके प्रमुख उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए।

(ग) ''मुकलि चकुरे चोवा सुन्दर जगत,
मेलि दिया अन्तर दापोण,
देखा पाबा मरणर आंधार पारत
जीवनर मधुर सपोन।''

—का संदर्भ एवं आशय बताइए।

(घ) काबेरी की प्रमुख चारित्रिक विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(ङ) पद्मनाथ गोहाञि बरुवा की साहित्यिक देन पर प्रकाश डालिए।

4. आधुनिककालीन असमीया भाषा के विकास का लेखा-जोखा प्रस्तुत कीजिए। 10

अथवा

श्रीमंत शंकरदेव द्वारा विरचित बरगीतों की सामान्य विशेषताओं का उल्लेख करते हुए 'मन मेरि राम चरणहि लागु' पंक्ति से शुरू होने वाले बरगीत के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

5. 'जीवनर उद्देश्य' शीर्षक कविता के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

'गह्वर' शीर्षक कहानी की कथावस्तु पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

6. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

''ईश स्वरूपे हरि सब घटे बैठह
जैचन गगन बियापि।
निन्दावाद पैशुन्य हिंसा हरि
तेरि करोहो हामु पापी॥''

अथवा

''मानवी जनम दियाँ उटुवाइ
मानवी करम सोंते,
मानुहर मरम बुजिबा मानुहे
धरम जे मरमते।''

★★★